Nai Dunia (Indore), 11th January 2022, Page-1 and 13

प्रो. सुहास जोशी बने आइआइटी इंदौर के स्थायी निदेशक

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर को दो वर्ष बाद स्थायी निदेशक मिल गया है। आइआइटी बांबे के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. सुहास जोशी आइआइटी इंदौर के निदेशक बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मेरा इंदौर से पुराना नाता रहा है। राजा रामन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र के साथ मैं कई प्रोजेक्ट कर चुका हूं। आइआइटी इंदौर को गति देने के लिए मेरा पूरा ध्यान बेहतर गुणवत्ता वाली शिक्षा और शोध कार्यों को बढ़ावा देने पर रहेगा। एक सप्ताह में इंदौर पहुंचकर पद ग्रहण करूंगा। आइआइटी इंदौर में एक जनवरी 2020 से प्रो. नीलेश कुमार जैन कार्यवाहक निदेशक के रूप कार्य कर रहे थे। प्रो. जोशी आइआइटी बांबे के एलुमनी एवं कारपोरेट रिलेशन के डीन और इंडियन नेशनल एकेडमी आफ इंजीनियरिंग और नेशनल एकेडमी आफ साइंसेस के फेलो हैं। >> पेज 13 भी पढ़ें

प्रो. सुहास जोशी

दिल्ली समेत चार आइआइटी को मिले नए निदेशक

नई दिल्ली (ब्यूरो)। दिल्ली, मद्रास, इंदौर और मंडी स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आइआइटी) को नए निदेशक मिल गए हैं। आइआइटी बांबे के प्रो. रंगन बनर्जी आइआइटी, दिल्ली के निदेशक बनाए गए हैं। आइआइटी, बांबे के ही प्रोफेसर सुहास जोशी आइआइटी, इंदौर के निदेशक होंगे। आइआइटी, कानपुर के प्रोफेसर लक्ष्मीधर बेहरा को आइआइटी, मंडी की जिम्मेदारी मिली है। पहले स्वदेशी माइक्रोप्रोसेसर 'शक्ति' को डिजाइन करने वाले आइआइटी, मद्रास के प्रोफेसर वी कामकोटी को उसी संस्थान का निदेशक बनाया गया है।

आइआइटी, बांबे में डिपार्टमेंट आफ एनर्जी साइंस एंड इंजीनियरिंग के प्रो. रंगन बनर्जी ने नईदुनिया के सहयोगी प्रकाशन दैनिक जागरण से बातचीत में कहा कि सोमवार रात ही उन्हें निदेशक बनाए जाने की सूचना मिली। कार्यभार संभालने में एक माह लग जाएंगे। भविष्य की कार्ययोजना के सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी बात करना जल्दबाजी होगा। कार्यभार संभालने के बाद इस पर विस्तार से बात करेंगे। प्रो. रंगन ने आइआइटी बांबे से ही मेकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक और पीएचडी किया है। एनर्जी मैनेजमेंट, डिमांड साइज मैनेजमेंट, एनर्जी माडलिंग, पावर सिस्टम प्लानिंग, एनर्जी प्लानिंग एंड पालिसी, हाइड्रोजन स्टोरेज आदि क्षेत्रों में इन्होंने काफी शोध किए हैं। करीब 10 से अधिक किताबें भी इनकी प्रकाशित हो चुकी हैं, जिसमें माडलिंग फ्रेमवर्क फार एनर्जी इकोनमी एंड इमिशंस माडलिंग, ए फ्रेमवर्क फार एनालाइजिंग ट्रेड-आफ इन कास्ट एंड इमिशंस इन पावर सेक्टर आदि शामिल है। अक्टूबर 1993 में प्रो. रंगन आइआइटी बांबे से बतौर विजिटिंग असिस्टेंट प्रोफेसर जुड़े। जुलाई 1994 में इन्हें असिस्टेंट प्रोफेसर नियुक्त किया गया था।